

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की सकारात्मक पहल

अमेरिका-इजरायल व ईरान के बीच युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की उपलब्धता की कमी का प्रामक संदेश फैलाकर जिस तरह से देश और प्रदेश में प्रदर्शन और आमजन में भय का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है उसके बीच प्रदेश में किसी तरह का पैनीक हालात ना बने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहल कर प्रदेशवासियों के बीच सकारात्मक संदेश दिया है। होता यह है कि जब देश में नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया जाता है तो उसके पीछे जो ध्येय होता है व समाज के व्यापक हित में नहीं हो सकता। इसके साथ ही जनता भी समझदार होती है और नकारात्मक माहौल तैयार करने वाले तत्व जल्द ही बेनकाब हो जाते हैं। देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रयाप्त भण्डार उपलब्ध है और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि प्रदेश में किसी तरह की कोई कमी नहीं है इसलिए पैनीक होने की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही मुख्यसचिव वी. श्रीनिवास अपने अधिकारियों और जिलाधिकारियों से नियमित संवाद कायम कर व्यवस्था को चाकचौबंद किया जा रहा है। सबसे अधिक और महत्वपूर्ण कीसोशल मीडिया पर नजर रखने और प्रतियाय फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि युद्ध के हालात हमारी देन नहीं है। इसके साथ ही यह भी साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के अधिकांश देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं। जहां तक कच्चे तेल, एलपीजी आदि की पूर्ति अधिकांश देशों द्वारा आयात करके ही की जाती है। हमारी भी बहुत कुछ स्थानीय मांग की पूर्ति आयात के माध्यम से ही होती है। ऐसे हालातों में भी केन्द्र सरकार की सराहना की जानी चाहिए कि हार्मुज जनमरुमध्य के हालात आयात को प्रभावित करने के बावजूद कूटनीतिक प्रयासों से एलपीजी के मालवाहक जहाजों का आना शुरू हो चुका है। हांलाकि गैरजिम्मेदार लोगों ने

देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रयाप्त भण्डार उपलब्ध हैं और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है।

बांग्लादेश के युद्ध के समय समूचा देश इन्दिरा गांधी के साथ एक स्वर में स्वर मिला रहा था। आज पता नहीं ऐसे हालात कैसे होने लगे हैं कि ऑपरेशन सिन्दुर या अन्य सैन्य गतिविधियों पर भी प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। संभवतः दुनिया के किसी भी देश में इस तरह की बात नहीं होती होगी।

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेण्डर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है। देश में 31 करोड़ सक्रिय एलपीजी धरेलू कनेक्शन हैं। समूचे देश की बात की जाए तो प्रतिदिन औसतन 50 से 60 लाख एलपीजी सिलेण्डर की आवश्यकता होती है। प्रेरे में मांग और आपूर्ति बनाये रखना अपने आप में दुश्गर है पर हालिया संकट को अलग कर दिया जाए तो पिछले कुछ सालों से एलपीजी या पेट्रोल आदि को लेकर देश में किसी तरह का संकट देखने को नहीं मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा नियमित क्लोज मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि प्रदेशवासियों में विश्वास बना है। गैस की बुकिंग से लेकर उपलब्धता को लेकर सारे संदेहों को दूर किया गया है। वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है और गैस एजेंसियों व अन्य असाમાजिक तत्वों पर क़़डी नजर रखी जा रही है। शादी-विवाह जैसे आयोजनों के लिए भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित जा रहा है वहीं अफवाहों और फर्जी खबरों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

सवाल साफ है कि विपरीत हालातों या यों कहें कि आपातकालीन हालातों में पूरे देशवासियों को एक होने की आवश्यकता व समस्या के समाधान में सहभागीय बनने की आवश्यकता होती है पर ऐसे समय में भी गैरजिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार निश्चित रुप से नहीं होना चाहिए। आखिर हम इस समाज के ही तत्व हैं। हमारे हित और समाज के हित एक है। केवल विरोध के नाम पर विरोध किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। खैर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता और उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की सराहना की जानी चाहिए। सरकारी और गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आकर देशहित में एक जिम्मेदार नागरिकों के भूमिका निभानी चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरुवार 26 मार्च, 2026
चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत 2083, आद्रा नक्षत्र सायं 4:19 तक, शोभन योग रात्रि 12:32 तक, बव करण दिन 11:49 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।
गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सायं 4:19 से आरम्भ होगा।
आज मंगल उदय पूर्व दिन 2:06 पर होगा। आज दुर्गाष्टमी, महाअष्टमी, अशोकाष्टमी है। आज श्री रामनवमी, अन्नपूर्णा पूजा है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:00 तक, चर 11:02 से 12:33 तक, लाभ अमृत 12:33 से 3:35 तक, शुभ 5:06 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 6:37

मेष	सिंह	धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे।	परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा, धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
वृष	कन्या	मकर
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बन्दे लगेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्राप्ति होगी। आज परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।	आर्थिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।	स्वास्थ्य संबंधीध चिन्ता दूर होगी। मानविक तनाव दूर होने लगेगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।
मिथुन	तुला	कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मानविक-आर्थिकविकास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।	आज धार्मिक-मौलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	परिवार में शुभ-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
कर्क	वृश्चिक	मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज धार्मिक कार्यों में समय व्यतीत हो सकता है।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।	घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

संपादकीय

वालमीकीय रामायण में शासन प्रबंधन के सूत्र

रामनवमी विशेष.....



राजेश्वर सिंह

महाराज दशरथ द्वारा भरत को अयोध्या का राज्य तथा श्रीराम को चौदह वर्ष का वनवास दिए जाने के फलस्वरूप राम चित्रकूट में निवासरत थे। उन्हें वापस अयोध्या लाकर राज्याभिषेक करने के लिए भरत ने सपरिवार, सकर्मिवृन्द, सनागरिक व सैन्य चित्रकूट की यात्रा की। भरत व श्रीराम की मुलाकात के समय श्रीराम द्वारा गुरुजनों, परिवार, मन्त्रिणग, सेना, कोष, प्रजा, कृषि, वाणिज्य इत्यादि के संबंध में भरत से कतिपय प्रश्न किये गये। इन प्रश्नों की प्रकृति तथा इनमें निहित गूढ़ मन्तव्यों में ही श्रीराम का शासनादर्श स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

सर्वप्रथम श्रीराम भरत से मन्त्रिपरिषद के सदस्यों के व्यक्तिगत व व्यावसायिक गुणों के संबंध में पूछते हैं



मदन प्रजापत

आज की दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक राजनीति पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। अलग-अलग देशों के बीच संघर्ष, युद्ध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा और हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को अस्थिर बना दिया है। इन परिस्थितियों में लगभग हर देश किसी न किसी पक्ष के साथ खड़ा दिखाई देता है। लेकिन भारत एक अलग और संतुलित नीति अपनाते हुए लगभग सभी देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता है। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत संतुलन और रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक शक्ति-गुट के साथ पूरी तरह

कि क्या भरत द्वारा नियुक्त मन्त्रिणग शूरवीर, शास्त्रज्ञ, जितेन्द्रिय तथा बाहरी चेष्टाओं से ही मन की बात समझ लेने वाले सुयोग्य व्यक्ति हैं? श्रीराम कहते हैं कि अच्छी मन्त्रणा ही राजा की सफलता का मूल कारण है। वह भी तभी सफल होती है, जब नीतिशास्त्र निपुण अमात्य उसे सर्वथा गुप्त रखें। राजा को किसी भी गूढ़ विषय पर न तो अकेले विचार करना चाहिए और न ही बहुत लोगों के साथ बैठकर मन्त्रणा करनी चाहिए। राजा के मन्त्रियों में यदि एक भी मेधावी, शूरवीर, चतुर एवं नीतिज्ञ हो तो वह राजा को बहुत बड़ी सफलता की प्राप्ति करा सकता है।

श्रीराम प्रधान, मध्यम एवं निम्न पदों पर कर्मियों को योगदानुसार नियुक्त करने की बात कहते हैं, साथ ही अत्यधिक कठोर दण्ड तथा अत्यधिक कठोर कारागण का निषेध करते हैं। इसके अलावा वह कर्मिकों को निर्धारित किया हुआ समुचित वेतन व भता भी समय पर देने की बात करते हैं ताकि असंतोष व्याप्त न हो और अनिष्ट कारित न हो। श्री राम स्वस्थ व शत्रु पक्ष के अधिकारियों व कर्मचारियों की गतिविधियों पर दृष्टि रखने के लिए गुप्तचर व्यवस्था के सुदृढीकरण की बात भी कहते हैं।

श्रीराम कृषि तथा व्यापार से आजीविका चलाने वाले लोगों की कुशलता की जानकारी भी प्राप्त करते हैं क्योंकि उनके मतानुसार कृषि व व्यापार

उक्त प्रसंग में ही श्री राम कामजनित दश दोषों यथा आखेट, जुआ, दिन मे सोना, दूसरों की निंदा करना स्त्री में आसक्त होना, मद्यपान, नाचना, गाना, बाजा बजाना और व्यर्थ घूमना इत्यादि को राजा के लिए त्याज्य बताते हैं। राजा, मंत्री, राष्ट्र, किला, कोष, सेना व मित्र वर्ग को श्रीराम सतवर्ग कहते हैं और इन्हें राज्य का अनिवार्य अंग मानते हुए इन पर निरन्तर ध्यान देने के लिए कहते हैं।

इसी प्रकार खेती की उन्नति करना, व्यापार को बढ़ाना, दुर्ग बनाना, पुल निर्माण करना, जंगल से हाथी पकड़कर मंगवाना, खानों पर अधिकार प्राप्त करना, अधीन राजाओं से कर प्राप्त करना और निर्जन क्षेत्र को आबाद करना राजा के लिए उपादेय आट गुण हैं, जिन्हें श्रीराम अष्टवर्ग कहते हैं और भरत से इनकी पाठना के लिए कहते हैं। आग लगाना, बाढ़ आना, बीमारी फैलना, अकाल पड़ना और महामारी का प्रकोप होने को श्रीराम दैवीबाधा कहते हैं, और राज्य के अधिकारियों, चोरों, शत्रुओं, राजा के प्रिय व्यक्तिों व स्वयं राजा के लोभ से जो भय व्याप्त होता है उसे मानव निर्मित बाधा कहते हैं। इन दोनों तरह की बाधाओं का मुकाबला राजा को सतर्कता व युक्तिपूर्वक करना चाहिए। राष्ट्र की सुरक्षा में विदेश नीति के संबंध में श्रीराम द्वारा भरत को दिया गया उपदेश भी सार्वकालिक दृष्टि से समीचीन प्रतीत होता है। संधि, विटाह,

–राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त,
राजस्थान

वैश्विक तनाव के दौर में भारत की संतुलित विदेश नीति

जुड़ने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र निर्णय लेता है। यह नीति नई नहीं है। आजादी के बाद से ही भारत ने गुटनिरपेक्षता (–) की नीति अपनाई थी। उस समय शीत युद्ध के दौरान दुनिया दो बड़े गुटों-अमेरिका और सोवियत संघ-में बंटी हुई थी, लेकिन भारत ने दोनों के साथ संबंध बनाए रखे। आज भी वही सोच आधुनिक रूप में दिखाई देती है।

हाल के वर्षों में दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष बढ़े हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका एक बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए, जबकि कई देशों को यह तय करना पड़ा कि वे किस पक्ष का समर्थन करें। भारत ने इस स्थिति में संतुलित रुख अपनाया। भारत ने युद्ध को समाप्त करने और शांति वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया, लेकिन साथ ही रूस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा और ऊर्जा संबंधों को भी बनाए रखा। भारत के लिए रूस एक महत्वपूर्ण रक्षा स्रोतदार रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापार और तकनीकी सहयोगी हैं। इसलिए, भारत ने किसी एक पक्ष के साथ पूरी तरह खड़े होने के बजाय दोनों के साथ संवाद बनाए रखा। इसी तरह, मध्य-पूर्व में भी भारत की विदेश नीति संतुलित दिखाई देती है। भारत के संबंध सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल और ईरान-सभी देशों के साथ अच्छे हैं। यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि मानी जाती है क्योंकि इन देशों के आपसी संबंध कई बार तनावपूर्ण रहे हैं।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। 2026 में अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र में संघर्ष तेज हो गया और ईरान ने जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पूरे मध्य-पूर्व में अस्थिरता बढ़ गई। इस संघर्ष का असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। ऐसे तनावपूर्ण माहौल में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अमेरिका और ईरान दोनों के साथ अपने संबंध बनाए रखे। अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक स्रोतदार है, जबकि ईरान भारत के लिए ऊर्जा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए, भारत लगातार शांति, संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान की बात करता रहा है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। चीन, एशिया और वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव

बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जबकि अमेरिका इसे संतुलित करने के लिए कई रणनीतिक कदम उठा रहा है। भारत इस परिस्थिति में भी संतुलन की नीति अपनाता है। भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के साथ भी मौजूद रहता है, जैसे ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन।

भारत की विदेश नीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू है बहुपक्षीय सहयोग। भारत संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता है। हाल के वर्षों में भारत ने विशेष रूप से विकासशील देशों यानी ग्लोबल साउथ की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के कारण आज भारत वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। व्यापार, निवेश, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत कई देशों के लिए एक सरोस्रोत स्रोतदार बन चुका है। इसके साथ ही भारत की मानवीय और सांस्कृतिक छवि भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। भारत हमेशा शांति, सह-अस्तित्व और सहयोग की बात करता रहा है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि आज जब दुनिया कई संघर्षों और विभाजन से गुजर रही है, तब भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है जो संवाद, संतुलन और कूटनीति पर आधारित है। यही कारण है कि भारत आज लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। भविष्य में भी यदि भारत इसी संतुलित और दूरदर्शी नीति को जारी रखता है, तो वह न केवल अपने हितों की रक्षा करेगा बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

–मदन प्रजापत,
(भाजपा प्रदेश प्रवक्ता)

अतीत, वर्तमान और भविष्य को साथ लेकर चलने का उत्सव बना “राजस्थान दिवस”

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से प्रदेश की विरासत, अवसरों एवं संभावनाओं का परिचायक बना आयोजन



हेमेन्द्र सिंह

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नववर्ष के साथ ही नव चेतना एवं नव आरंभ का प्रतीक माना जाता है। इसी पावन बेला पर रैवरी नक्षत्र एवं इंद्रयोग में 30 मार्च, 1949 को देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता से नए राजस्थान की सुदृढ़ नींव रखी गई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2025 में इस गौरवशाली परंपरा को पुनर्थापित करते हुए 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाए जाने की शुरुआत की।

राजस्थान ने इस बार नव संवत्सर वि.सं. 2083 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को प्रदेश की विरासत, अवसर एवं संभावनाओं के परिचायक के रूप में अपना स्थापना दिवस मनाया।

राज्य सरकार द्वारा इस विशेष दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 19 मार्च तक आयोजित कार्यक्रमों ने एक ओर जहां प्रदेश के गौरवशाली अतीत को प्रभावी ढंग से संरक्षित और पुनरुत्थापित करने का काम किया, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी कार्यों से खुशहाल वर्तमान एवं सुनहरे भविष्य के प्रति आश्चस्त भी किया।

अतीत: जड़ों से जुड़ाव, परंपरा एवं संस्कृति की सशक्त अभिव्यक्ति : राजस्थान दिवस 2026 के आयोजनों में प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को केंद्र में रखते हुए परंपरा को नए संदर्भों में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 मार्च को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में ‘राजस्थान उत्सव 2026’ का शुभारंभ किया। इस आयोजन ने प्रदेश की लोककला, हस्तशिल्प, लोक संगीत, लोकनृत्य और परंपरिक व्यंजनों की समृद्ध श्रृंखला को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं, 19 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय भव्य सांस्कृतिक संध्या इस विरासत का चरम रूप रही, जहां लोक कलाकारों ने राजस्थान की जीवंत परंपराओं को साकार किया।

राजस्थान दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जयपुर के गोविंददेव जी मंदिर में आयोजित महाआरती और प्रदेशभर के राजकीय

मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक ने प्रदेशवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम किया। इसी तरह ज्ञान, तकनीक और नवाचार पर आधारित राजस्थान को जड़ें जटिल करने के माध्यम से युवाओं एवं नागरिकों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास एवं कला-संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिला।

वर्तमान: सामाजिक सरोकार, सुशासन और समावेशी विकास को नई दिशा : राज्य सरकार ने इन कार्यक्रमों में सामाजिक सरोकारों के साथ ही वर्तमान की दृष्टि से जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने 14 मार्च को स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम में श्रमदास अक्सव 2026’ का संदेश दिया तथा 15 मार्च को राज्य स्तरीय ‘विकसित राजस्थान रन-2026’ में सहभागिता कर युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। इसी कड़ी में 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में मनाए गए राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों की 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलाप्यास की सीमात दी। वहीं, उन्होंने 19 मार्च को राजस्थान रोडवेज की 207 नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भविष्य: नव शक्ति, निवेश एवं नवाचार की आधारशिला : भविष्य के कर्णधार युवाओं को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राज्य सरकार ने 17 मार्च को राजस्थान युवा शक्ति दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और खेल से जुड़े 485 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का शिलाप्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने 403 स्टार्टअप को वायफंडिली गैप का 1 हजार 145 लाख रुपये का फंड का वितरण किया तथा 9 हजार 432 युवाओं को कौशल उन्नयन प्रमाण पत्र भी सौंपा। राजस्थान की औद्योगिक और तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री ने 18 मार्च को उद्यमी संवाद समारोह में ‘इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान एगरोफेस एंड डिफेंस और राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी का अनावरण किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े 119 करोड़ रुपये लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और 226 करोड़ रुपये के 46 कार्यों का शिलाप्यास भी किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और निवेशकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा जोषपुर-पाली-मारवाड़ और

यान, आसन, द्वैधीभाव व समाश्रय राष्ट्र रक्षा नीति व विदेश नीति के आवश्यक अंग हैं। इनमें शत्रु से मेल रखना सन्धि, उससे लड़ाई छेड़ना विग्रह, आक्रमण करना, यान, अवसर की प्रतीक्षा में बैठे रहना आसन, दुर्गिनी नीति बरतना द्वैधीभाव और अपने से बलवान राजा की शरण लेना समाश्रय कहलाता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रीराम के द्वारा उपदिष्ट शासन प्रबंधन के उपयुक्त सूत्र समकालीन परिस्थेय में भी पूर्णतया प्रासंगिक व सुसंगत है। इन सूत्रों का विस्तार, व्यापकता गूढ़ता, गहनता व इनमें सहिहित राष्ट्र व जन की सुरक्षा, संरक्षा व कल्याण की उदात्त भावना व पवित्र उद्देश्य सर्वथा आश्चर्यचकित कर देने वाला है। शासक वर्ग को आत्मोन्मुख होकर सदा सर्वदा इन प्रश्नों का उत्तरदायी होने का प्रयास करना चाहिए ताकि उन्हें यह पता चल सके कि उनका शासन तंत्र योग्यता, निष्पक्षता, नियमबद्धता, न्याय, जनकल्याण तथा सर्वतोमुखी विकास की शाश्वत व सनातन कसौटियों पर खरा उतरने में सक्षम है अथवा नहीं? श्रीराम के ये प्रश्न राजनीति शास्त्र व लोकप्रशासन की अमूल्य धरोहर हैं और इनके उत्तर में ही हम राज्‍य की सम्पूर्ण संकल्पना सहिहित है।

–राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त,
राजस्थान

संकट के समय कई देशों को भारत ने सहायता भी प्रदान की है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा कई देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराना इसका एक उदाहरण है। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अनिश्चितता और तकनीकी प्रतिस्पर्धा भविष्य में और जटिल परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और एशिया में बढ़ते तनाव जैसे मुद्दे आने वाले समय में वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते रहेंगे। इन सबसे बीच भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए दुनिया के विभिन्न देशों के साथ संतुलित और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखे।

अंत में यह कहा जा सकता है कि आज जब दुनिया कई संघर्षों और विभाजन से गुजर रही है, तब भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है जो संवाद, संतुलन और कूटनीति पर आधारित है। यही कारण है कि भारत आज लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। भविष्य में भी यदि भारत इसी संतुलित और दूरदर्शी नीति को जारी रखता है, तो वह न केवल अपने हितों की रक्षा करेगा बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

–मदन प्रजापत,
(भाजपा प्रदेश प्रवक्ता)

अतीत, वर्तमान और भविष्य को साथ लेकर चलने का उत्सव बना “राजस्थान दिवस”

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से प्रदेश की विरासत, अवसरों एवं संभावनाओं का परिचायक बना आयोजन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से प्रदेश की विरासत, अवसरों एवं संभावनाओं का परिचायक बना आयोजन

–हेमेन्द्र सिंह,
सहायक जनसंपर्क
अधिकारी,
डीआईजीआर

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 से राजस्थान में बनेगा बेहतर ईको-सिस्टम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को मिली नई गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा 34 से अधिक नीतियां लागू की गई हैं, जिससे प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर ईको-सिस्टम बन रहा है। ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस, अनुमोदन प्रक्रिया का सरलीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से प्रदेश का उद्योगिक परिदृश्य बदला है। इसी क्रम में सरकार द्वारा राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई गई है, जिससे विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास होगा तथा राजस्थान देश-विदेश में विश्वसनीय एवं फ्यूचर रैडी इंडस्ट्रियल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित होगा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लॉजिस्टिक्स सुविधाएं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों को चार विकास मॉडलों पर विकसित किया जाएगा। मॉडल-ए में रीको द्वारा आर्बटित भूमि पर पूरी तरह निजी डवलपर द्वारा विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि

■ प्रदेश में बनेंगे औद्योगिक पार्क, बढ़ेगा निवेश-मिलेगा रोजगार : मुख्यमंत्री

रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।

नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा देने के साथ ही औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा। इसके लिए सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपये प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

इस नीति के तहत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा। इसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ क्षेत्रफल तक 20 करोड़ रुपये, 100 से 250 एकड़ क्षेत्रफल पर 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से

अधिक क्षेत्रफल के लिए 40 करोड़ रुपये होगी।

राज्य सरकार औद्योगिक बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस नीति में भी अवसरचना के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क तक जल एवं विद्युत को उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, औद्योगिक पार्क के निकटतम सड़क एवं सम्पर्क मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए 60 प्रतिशत राज्य सरकार एवं 40 प्रतिशत व्यय विकासकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा तथा इसमें राज्य सरकार का अधिकतम अंशदान 3 करोड़ रुपये तक होगा।

प्रदेश सरकार के पूर्ण पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन के विजन का इस नीति में भी विशेष ध्यान रखा गया है। औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी राज निवेश पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इस पोर्टल पर सिंगल विंडो क्लियरेंस के माध्यम से आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। नीति में कैप्टिव नवीकरणीय ऊर्जा पर 7 वर्ष तक 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट, स्टाम्प शुल्क एवं कन्वर्जन शुल्क में 25 प्रतिशत छूट तथा प्लग-एंड-प्ले ऑफिस कॉम्प्लेक्स एवं कॉमन यूटिलिटी सेंटर के लिए रिस्स-2024 के अंतर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी सम्मिलित हैं।

बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। बनीपार्क क्षेत्र में कुख्यात गैंगस्टर्स द्वारा एक बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी देने और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीडित को शिकायत पर गैंगस्टर रोहित गोयरा, वीरेंद्र चारण और राहुल फतेहपुरिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कुचामन सिटी निवासी व्यापारी को पिछले डेढ़ महीने से मोबाइल फोन पर लगातार धमकी भरे कॉल आ रहे थे। करीब डेढ़ महीने पहले भी आरोपियों ने उसे कॉल कर जान से मारने की धमकी दी थी, जिसकी रिपोर्ट पीडित ने कुचामन सिटी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बावजूद आरोपियों ने दोबारा कॉल कर रंगदारी मांगना शुरू कर दिया।

‘प्रेस की स्वतंत्रता का पक्षधर हूं पर यह सीख भी देनी जरूरी कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं’

राज्यपाल बागड़े ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

जयपुर (कास)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पत्रकारिता के भारतीय अतीत के साथ हमारी गौरवमय ज्ञान-परम्परा से भी जुड़े। पत्रकारिता में समाचार के साथ विचार-संस्कृति की शिक्षा का भी प्रसार होना चाहिए। उन्होंने आजादी आंदोलन में पत्रकारिता की रही भूमिका के साथ गणेश शंकर विद्यार्थी, विजय सिंह पथिक, कर्पूर चंद्र कुलिश, बिशन सिंह शेखावत आदि को याद करते हुए पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा के प्रभावी प्रसार का आव्हान किया। राज्यपाल बागड़े बुधवार को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार



राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की।

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह शिक्षा में यह सीख भी दी जाए कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं है।

पक्षधर हूं पर पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा में यह सीख भी दी जाए कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं है।

झगड़ा शांत कराने आए पड़ौसी पर गोली चलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए

जयपुर । कानोता इलाके के इंदिरा गांधी नगर में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए एक पड़ौसी पर फायरिंग करने वाले शांतिर बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान भागते समय बाइक फिसलने से आरोपी का एक हाथ और एक पैर टूट गया । पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं । साथ ही किरायेदार का सत्यापन नहीं कराने पर पुलिस ने मकान मालिक को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।



गिरफ्तार आरोपी आकाश जोगी

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उस पर पहले से ही हत्या के प्रयास, डकैती, पोक्सो एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे चार गंभीर मामले दर्ज हैं । पुलिस अब उससे हथियारों की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी के मकान मालिक रूप लाल योगी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बीट कांस्टेबल द्वारा बार-बार

कहने और पुलिस कमिश्नरेट के आदेशों के बावजूद मकान मालिक ने किरायेदार का पुलिस सत्यापन नहीं करवाया था। इसके चलते उसके विरुद्ध धारा 223 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह की विशेष भूमिका रही । टीम में उप निरीक्षक सुभाष कांस्टेबल प्रकाश, मुस्ताक, आनु कुमार, मन्तराम, नेहरू और

सुरेश चंद शामिल थे। थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि 25 मार्च 2026 को रात इंदिरा गांधी नगर में किराये पर रहने वाले आरोपी आकाश जोगी और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। शोर सुनकर पास ही रहने वाला दूसरा किरायेदार मनीष शर्मा (40) बीच-बचाव करने पहुंचा और झगड़े का कारण पूछा । इससे गुस्साए आकाश ने मनीष पर फायरिंग कर दी। जिससे गोली मनीष के पैर के निचले हिस्से में जा लगी । वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया । इधर वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसीपी बस्सी विजय कुमार और थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई । पुलिस ने आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले रेलवे स्टेशन और सिंघी कैप की ओर रुख किया। फिर जगतपुरा की ओर भागा । सुबह पुलिस को उसके खो नागरियान इलाके में होने की सूचना मिली । जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की तो वह बाइक तेज भागकर सीबीआई फोटक की ओर जाने लगा । इसी दौरान उसकी बाइक रिलप हो गई और सड़क पर गिरने से वह घायल हो गया ।

15 साल के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी में हुई सीनेट बैठक में बड़े फैसलों पर मुहर लगी

25 अप्रैल को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां वितरित की जाएंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करीब 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था “सीनेट” की वार्षिक बैठक बुधवार को आयोजित हुई। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की



राजस्थान यूनिवर्सिटी में बुधवार को कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में सीनेट की बैठक हुई।

■ महाराजा एवं महाराणी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जारी है : कुलपति

अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शिक्षा, वित्त और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में आगामी 25 अप्रैल को विरगविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह को मंजूरी दी गई। इस समारोह में वर्ष 2024 तथा 2025 की विभिन्न परीक्षाओं की 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां, 300 पीएचडी तथा 1 डी.लिट उपाधि देने का अनुमोदन किया गया। सीनेट ने आगामी वित्तीय वर्ष के

बजट को सर्वसम्मति से पारित किया, जिसमें शोध कार्यो को बढ़ावा देने और आधारभूत ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी गई।

बैठक में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत क्रेडिट फ्रेमवर्क और सेमेस्टर सिस्टम की प्रगति पर संतोष जताया गया।अकादमिक परिषद के फैसलों को मंजूरी देते हुए नेसकॉम, आरकेसीएल, एनआईए और आईआईएचएमआर जैसे संस्थानों के साथ हुए एमओयू, नए

पाठ्यक्रम और बजट को स्वीकृति दी गई। कुलपति ने बताया कि महाराजा एवं महारानी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कार्रवाई जारी है। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान कटौती के निर्णय को वापस लेने के प्रयास जारी है।

एससी, एसटी, ओबीसी और महिला विद्यार्थियों को दी जा रही फीस रियायत के पुनर्भरण के लिए भी सरकार से प्रक्रिया

चल रही है। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि “राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली इतिहास और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है।” ज्ञात रहे कि पिछली सीनेट बैठक 25 अक्टूबर 2010 को हुई थी। अधिनियम के अनुसार यह बैठक हर वर्ष होना अनिवार्य है, लेकिन पिछले 15 साल तक यह बैठक नहीं हो पायी।

सामाजिक समानता से जुड़ा हुआ विषय है। हमारे संविधान में भी समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है तथा समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों में इसकी आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलें, विशेषकर महिलाओं को न्याय और सम्मान मिले, इसी उद्देश्य से यूसीसी लागू किया जाना आवश्यक है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ राज्यों द्वारा यूसीसी लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है और यह स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने विरवास व्यक्त किया कि धीरे-धीरे पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू होगी, जिससे एक देश, एक कानून की भावना मजबूत होगी और समाज में भेदभाव समाप्त होगा।

■ यूसीसी से “एक देश, एक कानून” की भावना होगी मजबूत, समाज से भेदभाव मिटेगा : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

को किसी प्रकार की परेशानी न हो।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद में बहस और चर्चा के लिए निर्धारित प्रक्रियाएँ हैं। यदि विपक्ष वास्तव में बहस करना चाहता है तो उसे संसदीय परंपराओं का पालन करना चाहिए। केवल हंगामा और बयानबाजी करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा देशहित और

■ अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है

यह आदेश योगेश यादव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। जिसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अभी तक अपना जवाब पेश नहीं किया है और ना ही मौका निरीक्षण

रिपोर्ट दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मामला जनहित से जुड़ा है, ऐसे में कोई भी आकर अदालत में पक्ष रखता है तो उन्हें आपत्ति नहीं है। इस पर अदालत ने तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं होने पर मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को हाजिर होने को कहा है।याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया की मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गत 14 सितंबर, 2023

को हाईकोर्ट के सामने पार्किंग बनाने के साथ ही गोल्फ क्लब के लिए भूतल सहित एक मंजिला इमारत बनाने का निर्णय लिया गया। निर्णय में माना गया कि पार्किंग के लिए मौजूदा निर्माण को तोड़ने के बदले यह निर्माण किया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व का निर्माण ही अपने आप में अवैध था। करीब नौ साल पहले राज्य सरकार ने गोल्फ क्लब को यहां निर्माण करने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद निर्माण करने पर क्लब के खिलाफ कार्रवाई भी की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया कि पूर्व के निर्णयों को दरकिनार कर अब यहां निर्माण की अनुमति दी गई है।

हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति बरकरार

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा, “जवाब पेश करो वरना मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव हाजिर होकर जवाब दें’

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति को बरकरार रखा है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को कहा है कि उनकी ओर से यदि तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं किया जाता, तो वे 23 अप्रैल को अदालत में पेश होकर अपना जवाब दें। इसके साथ ही अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है। जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने

